Day 6

SUBJECT & TOPIC:

POLITY - State Government- State Executive and State Legislature; Administration of Union Territories (UT)

1. निम्नलिखित में से कौनसे वाक्यांश राज्यपाल के बारे में सही है?

1) राज्यपाल कार्यालय केंद्रीय सरकार के अधीन एक रोजगार है।
2) यह एक स्वतंत्र संवैधानिक पद है।
3) वह केवल केंद्रीय सरकार के अधीनस्थ है क्योंकि उन्हें भारत के राष्ट्रपति की इच्छा के अनुसार पद धारण करना होता है।
4) उनके कार्यालय की कोई निश्चित अवधि और कार्यकाल की कोई सुरक्षा नहीं है।

सही उत्तर चुनिए

1) 2 केवल .
2) 2, 3, 4 केवल .
3) 1, 2 3 केवल .
4) 2, 4 केवल .

Answer: 4

राज्यपाल न तो सीधे लोगों द्वारा चुना जाता है और न ही राष्ट्रपति की तरह परोक्ष रूप से एक विशेष रूप से गठित निर्वाचक मंडल द्वारा चुना जाता है। वह अपने हाथ और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। एक तरह से, वह केंद्र सरकार के एक उम्मीदवार है। लेकिन, 1979 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बताया गया, कि राज्य के राज्यपाल का कार्यालय केन्द्रीय सरकार के अधीन एक रोजगार नहीं है। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक पद है और केंद्र सरकार के नियंत्रण या अधीनस्थ के तहत नहीं है।

2. एक स्थिति पर विचार कीजिये-

राज्यपाल अपने 'अस्थिरचित्त वीटो' की शक्तियों का उपयोग कर पुनर्विचार के लिए एक बिल भेजता है। और राज्य विधानमंडल फिर से बिल पारित कर देता है और राज्यपाल की मंजूरी के लिए बिल भेजता है।

अब, राज्यपाल क्या कर सकेंगे? सही विकल्प चुनें।

1) वे अपनी सहमति दे देंगे।
2) वे अपनी सहमति रोक के रख सकते हैं।
3) वे राष्ट्रपति के विचार के लिए बिल रख सकते हैं।
4) 1 या 3।

Answer: 1.

3. भारत के संविधान में केंद्र की तरह ही राज्य सरकार के प्रतिरूप की परिकल्पना की गई है।

प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के सभी भागों क्या हैं?

1) राज्यपाल।
2) मुख्यमंत्री।
3) मंत्रिपरिषद।
4) महाधिवक्ता।
5) महान्यायवादी।

सही उत्तर चुनिए

1) 1, 2 केवल .
2) 1, 2, 3 केवल .
3) 1, 2, 3, 4 केवल .
4) All the above.

Answer: 3

महान्यायवादी केंद्रीय कार्यकारिणी का हिस्सा है।

4. अतीत में सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसले दिए, परिषद के मंत्रियों द्वारा राज्यपाल को सहायता और सलाह से संबंधित फैसले दिए है। निम्नलिखित वाक्यों पर विचार करें।

1) मंत्रियों की परिषद के इस्तीफे के बाद या राज्य विधानसभा के विघटन के बाद भी हमेशा मंत्रियों की परिषद राज्यपाल को सलाह देने के लिए मौजूद रहते है ।
2) उन क्षेत्रों को छोड़कर जहाँ राज्यपाल अपने विवेक से कार्य करने के लिए है, राज्यपाल को अपनी शक्तियों और कार्यों के अभ्यास में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर काम करना होता है।
3) जहाँ भी संविधान में राज्यपाल की संतुष्टि की आवश्यकता है, यह संतोष राज्यपाल की व्यक्तिगत संतुष्टि नहीं है बल्कि यह मंत्रियों की परिषद की संतुष्टि है।

सही उत्तर चुनिए

1) 1, 2 केवल .
2) 2, 3 केवल .
3) 1, 3 केवल .
4) All the above.

Answer: 4

1971 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि मंत्री परिषद के इस्तीफे या राज्य विधान सभा के विघटन के बाद भी, मंत्रियों की परिषद हमेशा राज्यपाल को सलाह देने के लिए मौजूद रहनी चाहिए। इसलिए, मौजूदा मंत्रालय कार्यालय में जारी रख सकते हैं जब तक कि उसके उत्तराधिकारी पदभार ग्रहण कर सके। फिर 1974 में, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल अपने विवेक से कार्य करना है, उन क्षेत्रों को छोड़कर राज्यपाल अपनी शक्तियों और कार्यों के अभ्यास में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर काम करना होता है। उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता

और सलाह के बिना या मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से कार्य करने के लिए आवश्यक नहीं है। जहाँ भी संविधान को राज्यपाल की संतुष्टि की आवश्यकता है, वह संतोष राज्यपाल की व्यक्तिगत संतुष्टि नहीं है बल्कि यह मंत्रियों की परिषद की संतुष्टि है।

5. द्विसदनीय विधायिका संघीय ढांचे की एक विशेषता है। इस प्रकार की विधायिका केंद्र में अनिवार्य है जबकि राज्यों के लिए द्विसदनीय विधानमंडल रखना अनिवार्य नहीं।

इनमे से किन राज्यों के पास द्विसदनीय विधायिका नहीं है?

1) आंध्र प्रदेश।
2) उत्तर प्रदेश।
3) बिहार
4) मध्य प्रदेश।

Answer: 4

BIMAKUJ - - बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में केवल निम्नलिखित राज्यों द्विसदनीय विधायिका है

6. संविधान के अंतर्गत, एक व्यक्ति यदि संघ या राज्य सरकार के अधीन कोई लाभ का पद धारण करता है तो वह विधान सभा या किसी राज्य की विधान परिषद का सदस्य चुने जाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा। यह राज्यपाल के ऊपर है यदि एक सदस्य के ऊपर अयोग्यता के अधीन होता है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1) राज्यपाल अपने स्वयं के विवेक पर सदस्य को अयोग्य घोषित कर सकते हैं।

2) राज्यपाल भारत के राष्ट्रपति की राय प्राप्त करने के बाद ही सदस्य को अयोग्य घोषित कर सकते हैं।
3) राज्यपाल भारत के निर्वाचन आयोग की राय प्राप्त करने के बाद ही सदस्य को अयोग्य घोषित कर सकते हैं।
4) राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट की राय प्राप्त करने के बाद ही सदस्य को अयोग्य घोषित कर सकते हैं।

Answer: 3.

7. किसे 10 वीं अनुसूची के तहत किसी राज्य में विधानसभा के एक सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अधिकार है?

1) राज्यपाल।
2) भारत के राष्ट्रपति।
3) अध्यक्ष या सभापति
4) सुप्रीम कोर्ट।

Answer: 3

विधान परिषद के मामले में विधान सभा के अध्यक्ष के मामले में लोकसभा अध्यक्ष।

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1) एक मंत्री, जो किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, सदन की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकता।

2) राज्य का महाधिवक्ता सदनों में से किसी का सदस्य होने के बावजूद सदन की किसी भी कार्यवाही में हिस्सा ले सकते हैं।

सही उत्तर चुनिए

1) 1 केवल .
2) 2 केवल .
3) दोनों .
4) कोई भी नहीं .

Answer: 2

यदि एक व्यक्ति एक मंत्री के रूप में नियुक्त किया जाता है, जो किसी भी सदन का सदस्य नहीं है तो वह सदन की किसी भी कार्यवाही में हिस्सा ले सकते हैं।लेकिन मंत्री को अपने कार्यालय में नियुक्ति की तारीख से छह महीने की अवधि समाप्त होने से पहले किसी भी सदन का सदस्य बन जाना चाहिए, ऐसा न हो कि उसे मंत्री होने के लिए संघर्ष करना पड़े।

9. धन विधेयक के बारे में वाक्यों पर विचार करें।

1) यह राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन (यदि वह द्विसदनीय विधायिका) में है, लेकिन राज्यपाल की सिफारिश पर पेश किया जा सकता है।
2) यह एक सरकारी बिल माना जाता है।
3) विधान परिषद धन विधेयक की अधिकतम देरी 14 दिन कर सकते हैं।
4) राज्यपाल को विधेयक के संबंध में 'अस्थिरचित्त वीटो' की शक्ति प्राप्त है।

सही उत्तर चुनिए

1) 1, 2 केवल .
2) 3 केवल .
3) 2, 3 केवल .

4) 2, 3, 4 केवल .

Answer: 3

धन विधेयक केवल विधान सभा में पेश किया जाता है न कि विधान परिषद में ।

राज्यपाल के पास धन विधेयक के संबंध में कोई अस्थिरचित्त वीटो का अधिकार नहीं है।

10. पुडुचेरी और दिल्ली केवल दो संघ शासित प्रदेश जिसमे स्वयं के विधान मंडल है ।
निम्नलिखित वाक्यों पर विचार कीजिये।

1) पुडुचेरी राज्य सूची के विषयों में किसी लेकिन कानून बना सकते हैं लेकिन समवर्ती सूची में नहीं बना सकता है
2) दिल्ली (सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर) राज्य सूची में या समवर्ती सूची में विषयों में से किसी पर bhi कानून बना सकती हैं।

गलत उत्तर चुनिए

1) 1 केवल .
2) 2 केवल .
3) दोनों .
4) कोई भी नहीं .

Answer: 1

पुडुचेरी राज्य सूची या समवर्ती सूची में किसी भी विषय पर कानून बना सकते हैं।